X

हिंदी

समीक्षा

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

कक्षा 10

उत्तर- सूचिका 18

1. चार्ली डर गया।

2. लोग चिल्लाने लगे।

3.

1. मैनेजर ने चार्ली को	माँ के दोस्त के सामने अभिनय करते देखा था।
2. बहुत मुबाहिसा के बाद	वह अंततः चार्ली को स्टेज पर ले गया।
3. पाँच साल का बच्चा	इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा!
4. उस दिन भी परदे के पीछे खड़ा वह	आवाज़ के तमाशे को देख रहा था।

4.

चार्ली को ले जाती थी।
चार्ली को थिएटर ले जाती थी।
चार्ली को अपने साथ थिएटर ले जाती थी।
चार्ली को अक्सर अपने साथ थिएटर ले जाती थी।

THIRUVANANTHAPURAM EDUCATIONAL DISTRICT

5.

20 मई 1894

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ? स्टेज पर मेरी शो चल रही थी ।अचानक मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई। लोग चिल्लाने लगे। अपमानित होकर मुझे स्टेज से हटना पड़ा। मैनेजर की ज़िद पर चार्ली को मैंने स्टेज पर भेजा। पाँच साल का बच्चा उस उग्र भीड़ को कैसे झेल पाएगा ? मैं बहुत ड़र गई। पर चार्ली ने कमाल कर दिया। उसने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया। अपने भोले व्यवहार से उसने लोगों में गुदगुदी फैला दी। मेरा बेटा स्टेज पर पहली बार आया और मैं शायद आखिरी बार।

6. टूटे

7. बेला अपने घर में नीम के पेड़ की डाली पकड़कर झूम रही थी।

8. साहिल अपने घर में एक स्टूल पर चढ़कर नीम के पेड़ की डाली पकड़कर झूम रहा था।

अचानक टूटे स्टूल की एक कील उसकी पिंडली में लग गई और उसे चोट लगी।

9.

साहिल झूम रहा था।
साहिल पेड़ की डाली पकड़कर झूम रहा था।
साहिल नीम के पेड़ की डाली पकड़कर झूम रहा था।
साहिल अपने घर में नीम के पेड़ की डाली पकड़कर झूम रहा था।

THIRUVANANTHAPURAM EDUCATIONAL DISTRICT

10.

बेला : अरे साहिल यह क्या हुआ?

साहिल : चोट लगी।

बेला : पर कैसे?

साहिल : मैं स्टूल पर चढ़कर नीम की डाली पकड़कर झूम रहा था। अचानक टूटे स्टूल की एक कील मेरी पिंडली में लग गई।

बेला : चोट गहरी तो नहीं न?

साहिल : हाँ बेला. . . एक इंच गहरा गड्ढ़ा हो गया।

बेला : सच? डॉक्टर ने क्या कहा?

साहिल : रोज़ आस्पताल जाकर पट्टी बंधवाने को कहा।

11. विनोद कुमार शुक्ल

12. कविता के अनुसार मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना चाहिए।

13.

1. घायल पड़े व्यक्ति को	सहायता की ज़रूरत है।
2. हम जानते हैं	कि घायल व्यक्ति मुसीबत में है।
3. किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	उसकी हताशा, निराशा और संकट से जानना है।
4. हताश व्यक्ति की सहायता करना	हमारा कर्तव्य हैं।

THIRUVANANTHAPURAM EDUCATIONAL DISTRICT

14.

15. धर्मवीर भारती

16. इतिहासों की सामूहिक गति झूठी पड़ जाने पर सच्चाई टूटे हुए पहिए का आश्रय लेती हैं।

17. आश्रय

18. महाभारत युद्ध में कई वीर योधाओं ने अपने पक्ष के अधर्म को जानते हुए भी अभिमन्यु से युद्ध किया। कवि कहते हैं कि उसी प्रकार की अधार्मिक घटना आज भी होती है। बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म और असत्य की ओर जाए तो सच्चाई टूटेपहिए का सहारा ले सकती है। सत्य या धर्म की स्थापना के लिए संघर्ष भी करना पड़ता है।

19. वह+को = उसे

THIRUVANANTHAPURAM EDUCATIONAL DISTRICT

20. मोरपाल और मिहिर के बीच खाने की अदला- बदली का सौदा था। मिहिर के टिफ़िन के राजमा - चावल मोरपाल लेता था और मोरपाल के घर से आया छाछ मिहिर लेता था।

21. मिहिर की कमज़ोरी छाछ थी।

22.

स्थान

तारीख

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो? मैं ठीक हूँ। माँ- बाप सब कुशल हैं न? एक खास बात बताने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ।

तुम्हें याद है न मेरे एक दोस्त मोरपाल को? वह मेरा प्रिय मित्र है। वह हर दिन छाछ लाता है जो मुझे बहुत पसंद है और मैं राजमा- चावल , जो उसे बहुत पसंद है। हमारे बीच एक सौदा है, खाने की अदला- बदली का । इस प्रकार हम दोनों को अपने पसंद का खाना मिलते हैं।

क्या तुम्हारे स्कूल में भी इसी प्रकार का कोई लेन- देन है? नहीं तो शुरू कर दो यार । तुम्हारे माँ- बाप को मेरा प्रणाम। कभी- कभी लिखा करो यार।

तुम्हारा मित्र

हस्ताक्षर

मिहिर

सेवा में

THIRUVANANTHAPURAM EDUCATIONAL DISTRICT